प्रेस विज्ञप्ति

विश्व एड्स दिवस, जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत चिकित्सा विश्वविद्यालय के मेडिसिन विभाग एवं ए0पी0आई0 यू0पी0 चैप्टर के संयुक्त तत्वाधान में ए0आर0टी0 प्लस सेण्टर, के0जी0एम0यू0 में 30 नवंबर, 2017 को अपराह्न 1:30 बजे केअर ऐंजल (नर्स) का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। उपरोक्त प्रशिक्षण में चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की एक नर्स को केअर एंजेल के तौर पर नामित किया गया है जिससे चिकित्सा विश्वविद्यालय में आने वाले HIV/ADS के मरीजो को बेहतर उपचार दिया जा सके। ज्ञात हो कि चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों मे कई ऐसे मरीज भर्ती होते है जिनके बारे मे पहले से एचआईवी/एड्स की जानकारी नही होती है ऐसे मरीज जब विश्वविद्यालय के चिकित्सालय में भर्ती होते है और जांच मे एचआईवी/एड्स की पुष्टि होने पर केअर एंजेल नर्स द्वारा उन मरीजो की जानकारी तत्काल ए0आर0टी0 सेण्टर को उपलब्ध कराई जाती है जिससे उन मरीजो के उपचार में सुविधा हो जाती है।

उपरोक्त कार्यक्रम में डॉ0 डी0 हिमांशु द्वारा एचआईवी/एड्स के उपचार में अपडेटेड गाइड लाइन पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ0 डी0 हिमांशु ने बताया पिछले एक साल में एचआईवी/एड्स की दवाओं में काफी बदलाव आ गया है। पहले ऐसे मरीजो की जांच में सी0डी0 4 घटने पर दवा चलाई जाती थी किन्तु अब ऐसा नही है अब जांच में एचआईवी/एड्स की पुष्टि होने के तुरन्त बाद **'टेस्ट एण्ड ट्रीटमेंट पॉलिसी'** के तहत उनका इलाज प्रारम्भ कर दिया जाता है। इस प्रकार कार्यक्रम में डॉ0 डी0 हिमांशु द्वारा एचआईवी/एड्स के उपचार की नवीन विधियों एव एचआईवी मरीजो को किस तरह बेहतर उपचार दिया जा सके इस विषय पर चर्चा किया गया।

डॉ0 डी0 हिमांशु ने बताया कि प्रत्येक वर्ष एचआईवी/एड्स के नये मरीजो में 66 प्रतिशत(2007 में 2.5 लाख से घटकर, 2015 में 8500) की गिरावट हो गयी है तथा इस बीमारी की वजह से होने वाली मृत्यु दर में भी 35 प्रतिशत की कमी देखी गई है। भारत में इस बीमारी के उपचार और रोकथाम में सफलता की दर, विश्व के अन्य देशों की तुलना में ज्यादा सरहानीय है। देश मे कुल मरीजो की संख्या करीब 21 लाख है जो कि दुनिया में दुसरे नम्बर पर है उत्तर प्रदेश में एच0आई0वी0 मरीजो की संख्या 123000 है तथा 64000 लोग ए0आर0टी0 पर पंजिकृत है। बाकी मरीजो को ए0आर0टी0 सेण्टर पर लाने का प्रयास चल रहा है। जिन मरीजो की दवा कम असर कर रही है, उनके लिए सेकण्ड लाईन की दवा ए0आर0टी0 सेण्टर व सी0ओ0ई0 पर उपलब्ध है। प्रदेश में करीब 400 मरीज सेकण्ड लाइन पर है। प्रदेश में साल 2017–18 में एचआईवी0 से संक्रमती 600 महिलाएं विभिन्न ए0आर0टी0 सेण्टरों से दवाएं ले रही है। एच0आई0वी0 से संक्रमित टी0बी0 के करीब 2000 मरीज है जो कि ए0आर0टी0 सेण्टरों से दवा ले रहे है। पूरे यू0पी0 में 38 ए0आर0टी0 सेण्टर एवं 5 ए0आर0टी0 प्लस सेण्टर है जो कि मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पतालों एवं CHC/PHC लेवल पर है।

ए0आर0टी0 प्लस सेण्टर, के0जी0एम0यू0 में 7511 मरीज पंजीकृत है जिनमे4813 मरीज ए0आर0टी0 की दवा ले रहे है। करीब 300 एच0आई0वी0 संक्रमीत गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हो चुकी है और दवा पर है। इनमें से केवल 5 बच्चों मे एच0आई0वी0 का संक्रमण पाया गया है। ए0आर0टी0 प्लस सेण्टर में करीब 94 सेकण्ड लाईन के मरीज है।

एच0आई0वी0 की दवा अब ज्यादा सुरक्षित है तथा इन्हे अब दिन में केवल एक बार लेना पड़ता है। एच0आई0वी0–टी0वी0 संक्रमित मरीजो के लिए टी0वी0 की दवा की सुविधा अर0एन0टी0सी0पी0 के सहयोग से ए0आर0टी0 सेण्टर पर ही उपलब्ध है

(डा0 डी0 हिमांशु)
नोडल अधिकारी,
ए0आर0टी0 प्लस सेण्टर,
के0जी0एम0यू0, लखनऊ